माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र

कक्षा 10

केवल बोर्ड परीक्षा 2021 के लिए

सामान्य दिशा–निर्देश

Model Question Paper 2021

General Instructions

1. मॉडल प्रश्न पत्र परीक्षा 2021 के लिए बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये गये संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किये गये है।

Model Question papers are uploaded on the Board website have been framed on the basis of the revised syllabus for Board Examination 2021.

2. कोविड–19 परिपेक्ष्य में लम्बे समय तक विद्यालय नहीं खुले और विधिवत शिक्षण बाधित हुआ है अतः मुख्य पाठ्यक्रम समिति द्वारा नवीन प्रश्नपत्र पेटर्न अनुमोदित किया गया है

Due to the COVID-19 conditions schools have not been opened for the students for a long time. Teaching process has been hampered, hence the syllabus committee has approved a new Question paper pattern.

3. सभी प्रश्न पत्र नवीन पेटर्न पर आधारित हैं। प्रश्न पत्रों में बहुविकल्पी, एक पंक्ति में उत्तर वाले, रिक्त स्थान पूर्ति, लघुउत्तरात्मक– I, लघुउत्तरात्मक– II निबधात्मक प्रश्नों का समावेश है।

All the Model Question papers are framed according to the new pattern. Multiple Choice Questions, one line answers, Fill in the blanks, Short Answer Type - I, Short Answer Type - II, Long Answer Type Questions are included in the Question Papers.

4. खण्ड स एवं द के प्रत्येक प्रश्न में एक–एक, तथा खण्ड य के प्रत्येक प्रश्न में 2–2 विकल्प दिये गये है।

Section C and D have one internal choice and Section E has two internal choices in each question.

5. पाठ्यक्रम में दिये गये इकाई वार अंक एवं अंक भार में 25% तक अंकभार में परिवर्तन बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों में सम्भव है।

A change/ variation up to 25% can be there in the unit-wise marking scheme/weightage of marks as given in the syllabus and in the main Board Examination Question papers.

माध्यमिक परीक्षा मॉडल प्रश्न–पत्र 2021

SECONDARY EXAMINATION, MODEL QUESTION PAPER-2021

विषय – हिन्दी

समयः 3¼ घण्टे पूर्णांक 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड–अ(A)	1 (i से x), 2 to 11	1	20
खण्ड–ब(B)	12 से 19 = 8	2	16
खण्ड–स(C)	20 से 23 = 4	4	16
खण्ड–द(D)	24 से 25 = 2	5	10
खण्ड–य(E)	26 से 28 = 3	6	18

माध्यमिक परीक्षा 2021
मॉडल प्रश्न पत्र
विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80 **समय – 3 घण्टे 15 मिनट**

खण्ड (अ)

प्रश्न 01 निम्नांकित प्रश्नों में से दिये गये सही विकल्प का चयन कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है। **(10X1=10)**

(i) 'मृगनयनी' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) द्वन्द्व समास (ब) कर्मधारय समास (स) द्विगु समास (द) तत्पुरूष समास

(ii) 'बेखबर' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) तत्पुरूष समास (ब) बहुब्रीहि समास (स) अव्ययीभाव समास (द) द्विगु समास

(iii) जिस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है, उसे कहते है ?

(अ) द्विगु समास (ब) तत्पुरूष समास (स) कर्मधारय समास (द) द्वन्द्व समास

(iv) 'घनश्याम' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) अव्ययीभाव समास (ब) कर्मधारय समास (स) द्विगु समास (द) बहुब्रीहि समास

(v) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है –

(अ) प्रदर्शिनी (ब) गोपिनी (स) कनिष्ट (द) अतिथि

(vi) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है –

(अ) उज्ज्वल (ब) सर्मथ (स) अनाधिकार (द) अनुगृह

(vii) निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द है –

(अ) बीमार (ब) तिथि (स) शाप (द) अष्टवक्र

(viii) निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द है –

(अ) भास्कर (ब) वरिष्ठ (स) अनुच्छेद (द) पुज्य

(ix) 'कामायनी' किस कवि का प्रसिद्ध काव्य ग्रन्थ हैं ?

(अ) सूरदास (ब) नागार्जुन (स) तुलसीदास (द) जयशंकर प्रसाद

(x) रामधारी सिंह दिनकर को किस काव्य कृति पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?

(अ) परशुराम की प्रतिज्ञा (ब) रेणुका (स) रसवन्ती (द) उर्वशी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द/एक पंक्ति में दीजिए–

प्रश्न क्रमांक :– 02 से 08 तक के सभी प्रश्नों के अंकभार एक–एक है। **1x7=7**

प्रश्न 02 सूरदास के एक प्रामाणिक काव्य ग्रन्थ का नाम लिखिए?

प्रश्न 03 लक्ष्मण के व्यंग्य वचनों से किनकी क्रोधाग्नि बढ़ रही थी?

प्रश्न 04 रानी लक्ष्मीबाई बचपन में कौनसा खेल खेलती थी?

प्रश्न 05 'त्रिपिटक' किस धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है?

प्रश्न 06 ईर्ष्या से बचने का उपाय लेखक ने क्या बतलाया है ?

प्रश्न 07 'बाल की खाल निकालना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 08 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

दिये गये प्रश्नों में रिक्त स्थान की पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है, (3X1=3)

प्रश्न 09 'मृदुल वसन्त' जीवन के ..... पड़ाव का प्रतीक है।

प्रश्न 10 ईर्ष्या की बेटी का नाम ..... है।

प्रश्न 11 सुनहले सूर्योदय और सूर्यास्त की भूमि ..... है।

खण्ड–ब

निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है। (8X2=16)

प्रश्न 12 'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए?

प्रश्न 13 'सूरदास' पाठ के आधार पर राधा–कृष्ण के मध्य हुए वार्तालाप का सारांश लिखिए।

प्रश्न 14 'प्रकृति–पद्मिनी के अंशु माली' 'प्रभो' कविता में 'अंशु माली' शब्द किसके लिए आया है और क्यों?

प्रश्न 15 रामधारी सिंह दिनकर ने ईर्ष्या से बचने के क्या उपाय बताए है? कोई दो उपाय लिखिए।

प्रश्न 16 'आखिरी चट्टान' निबंध का लेखक एक टीले से दूसरे टीले पर क्यों पहुँचना चाहता था?

प्रश्न 17 'ईदगाह' कहानी के किस पात्र ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है और क्यों?

प्रश्न 18 'बाजी मारना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न 19 'डूबते को तिनके का सहारा' लोकोक्ति का अर्थ सहित वाक्य प्रयोग कीजिए।

खण्ड–स

प्रश्न 20 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूथा जाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर तुम देना फेंक

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ पर जाए वीर अनेक।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
(ब) रेखांकित शब्द 'इठलाऊँ' का अर्थ बताइए। 1
(स) उपर्युक्त काव्यांश की मूल संवेदना लिखिए। 2

अथवा

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नई साथी
सुमनों के पथ पर चरणों के
कितने ही चिन्ह पड़े होंगे
लालायित फिर भी चलने को
कितने ही चरण खड़े होंगे
पर, गैल अछूती शूलों की
जो चूमे वही जवानी है,
जो लहू सींच कर बढ़ते हैं
उनका ही कूच रवानी है।
जीवन की चाह पुरानी है
मरने की चाह नई साथी
फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नई साथी

(अ) उपर्युक्त गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कौनसी राह अछूती रह जाती है?
(स) कौनसी राह को नई माना गया है और क्यों?

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 21 'लक्ष्मण–परशुराम संवाद' प्रसंग के आधार पर लक्ष्मण के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 4

अथवा

'भ्रमरगीत' प्रसंग के आधार पर गोपियों के कृष्ण के प्रति उनके प्रेम का वर्णन कीजिए?

प्रश्न 22 '' 'ईदगाह' मुंशी प्रेमचन्द की बाल–मनोविज्ञान को चरितार्थ करने वाली एक प्रतिनिधि कहानी है।'' कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। 4

अथवा

द्विवेदी जी ने महिला–शिक्षा के समर्थन में कौन–कौन से तर्क दिए हैं? पाठ के आधार पर लिखिए?

प्रश्न 23 निम्नलिखित साहित्यकारों का जीवन एवं कृत्तित्व परिचय दीजिए।

जयशंकर प्रसाद 4

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड (द)

प्रश्न 24

उपर्युक्त प्रदर्शित यातायात चिन्हों का सांकेतिक अर्थ बताते हुए इनका विश्लेषण भी कीजिए। 5

अथवा

यातायात साधनों के संचालन नियमों का पालन करना क्यों अनिवार्य है? सही प्रकार से यदि वाहन न चलाया जाए तो होने वाली समस्याओं व दुर्घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 25 स्वयं को जिलाधीश 'गया' मानते हुए अपने जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्था–प्रधान को एक पत्र लिखिए, जिसमें अपने विद्यालय में गांधीजी की 150वीं जयन्ती मनाने के आदेश दिये गये हो। 5

अथवा

स्वयं को उदयपुर निवासी अर्पिता मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा संबंधी पत्र लिखिए, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही संदेहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो।

खण्ड (य)

प्रश्न 26 दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :– 6

(अ) भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण

(i) प्रस्तावना
(ii) वृक्ष संरक्षण
(iii) नदी, पर्वत संरक्षण
(iv) उपसंहार

अथवा

(ब) यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता।

(i) प्रस्तावना
(ii) सुरक्षा एवं विकास
(iii) सामाजिक समरसता
(iv) उपसंहार

अथवा

(स) इंटरनेट : वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना : इन्टरनेट व दैनिक जीवन
(ii) इंटरनेट के विविध क्षेत्र
(iii) इंटरनेट के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव
(iv) उपसंहार

अथवा

(द) बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ

(i) प्रस्तावना – बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ की अवधारणा
(ii) लिंगानुपात कम होने का कारण
(iii) कन्या–भ्रूण हत्या रोकने के उपाय
(iv) स्त्री–शिक्षा का महत्त्व एवं उपाय
(v) उपसंहार

प्रश्न 27 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2+4=6

मेरे जीवन का यह है जब प्रथम–चरण
इसमें कहाँ मृत्यु?
है जीवन ही जीवन
अभी पड़ा है आगे सारा यौवन
स्वर्ण–किरण कल्लोलों पर बहता रे, बालक मन
मेरे ही अविकसित राग से
विकसित होगा बन्धु दिगन्त,
अभी न होगा मेरा अंत

अथवा

प्रसार तेरी दया का कितना,
ये देखना है तो देखे सागर
तेरी प्रशंसा का राग प्यार,
तरंग मालाएँ गा रही हैं।
तुम्हारा स्मित हो जिसे निखरना,
वो देख सकता है चन्द्रिका को
तुम्हारे हँसने की धुन में नदियाँ,
निनाद करती ही जा रही हैं।

अथवा

उषा की लाली में
अभी से गए निखर
हिमगिरि के कनक–शिखर
आगे बढ़ा शिशु–रवि
बदली छवि, बदली छवि
देखता रह गया अपलक कवि

प्रश्न 28 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2+4=6

मान लीजिए कि पुराने जमाने में भारत की एक भी स्त्री पढ़ी–लिखी न थी। न सही। उस समय स्त्रियों की पढ़ाने की जरूरत न समझी गई होगी। पर अब तो है। अतएव पढ़ाना चाहिए। हमने सैकड़ों पुराने नियमों आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं? तो चलिए, स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें। हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री शिक्षा के विपक्षियों को क्षण भर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने जमाने में यहाँ कि सारी स्त्रियाँ अपढ़ थी अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी।

अथवा

सूर्य का गोला पानी की सतह को छू गया। पानी पर दूर तक सोना ही सोना ढुल गया। पर वह रंग इतनी जल्दी बदल रहा था कि किसी भी एक क्षण के लिए उसे एक नाम दे सकना असम्भव था। सूर्य का गोला जैसे एक बेबसी में पानी के लावे में डूबता जा रहा था। धीरे–धीरे वह पूरा डूब गया और कुछ क्षण पहले जहाँ सोना बह रहा था, वहाँ अब लहू बहता नजर आने लगा। कुछ और क्षण बीतने पर वह लहू भी धीरे–धीरे बैजनी और बैजनी से काला पड़ गया। मैने फिर एक बार मुड़कर दायीं तरफ देख लिया।

अथवा

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी ही पड़ती है।